

Vertu til er vorið kallar á þig

Am E

1. e | ---0--2-3---0-3-3-2-0-2----- |
 2. B | -----0--- |
 3. G | ----- |
 4. D | ----- |

E Am

1. A | ---2-3-5---2-5-5-3-2--0----- |
 2. E | ----- |
 3. C | ----- |
 4. G | ----- |

Am C Dm Am

1. A | ---7--12--10--12-10--8-8-7-5-7--0--- |
 2. E | ----- |
 3. C | ----- |
 4. G | ----- |

Dm Am E Am

1. A | ---8--5--7---3--5-5--3-2--0--- |
 2. E | ----- |
 3. C | ----- |
 4. G | ----- | x 2

Am E
 Vertu til er vorið kallar á þig,
 E Am
 vertu til að leggja hönd á plóg.
 Am C Dm Am
 Komdu út, því að sólskinið vill sjá þig,
 Dm Am E Am
 sveifla haka og rækta nýjan skóg
 Dm Am E Am
 sveifla haka og rækta nýjan skóg.